सूर्य

हम भारतीय लोग पूज़ा करने मे कशलता की सरम सीमा पर है । इसलिये किसे देखो वह किसी न किसी की पूज़ा कर रहा है जबकि अगर ध्यान दे तो पायेगे तो जिनकी हम पूज़ा करते है उनसे अपने जीवन मे शिक्षा ग्रहण करके अपना और पूरे समाज का कल्याण कर सकते है । सूर्य पृथवी पर जो ऊर्जा बिखेर रहा है उसके बिना जीवन जो हम देख रहे है पृथवी पर, उसका आस्तिव ही नही होता ।

हमारा भारत महान है क्योकि सूर्य हमे भरपूर ऊर्जा देता है, इसमे हमारी कोई तारीफ नही है । हम भूमध्य रेखा के पास और दक्षिण पूर्व मे स्थित है, वह भारत देश ह,ै जिसमे हम पैदा हुये है । पर हम भारतमे सूर्य के कारण अपने को त्रस्त मानते है और यही कहा करते है कि अर`इतनी धूप है कि काम ही नही होता । प्रचीन समय मे हमारे पूर्वज सूर्य के गुणो को जानते थे अतः वैदिक काल से अब तक सूर्य की उपासना होती आई है ।

ओम् सूर्यो ज्योति ज्योति सूर्यः स्वाहा । ओम् सूर्यो वर्चो जयोतिर्वचः स्वाहा ।
ओम् सजूर्देवेन सवित्रा सतूरुषसेन्द्र वत्या जुषाणाः सूर्यो वेतु स्वाहा । ।

यह हर समय की माँग रही है हम सूर्य के आभारी तो रहे ही इसके अलावा इसकी ऊर्जा का सही उपयोग सबकी भलाई के लिए करे । विज्ञान ने इतनी तरक्की कर कर ली है कि मनुष्य के जीवन को सुखी व सम्पन्न बनाने के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग कई कामों में हो सकता है । किसी किसी देश में तो इतना कम सूर्य निकलता है कि जिस दिन निकलता है लोग काम छोडकर उसकी गर्मी में बैठ जाते है । इसलिये यह सनडे या छुट।टी का दिन कहलाया । हमारे देश मे सूर्य प्रचुर मात्रा में अपना प्रकाश देता है । हम भग्यवान है, इसलिए नही कि हम ज्यादा सनडे मना सकते है, और काम से कन्नी काटकर धूप तापें य गर्मी के डर से काम ही न करे । वरन् हम इसलिये भाग्यवान है कि सूर्य ऊर्जा की जितनी भी यान्त्रिकी उपलब्ध है वह सब लागू करने के लिये हमारे देश मे प्रचुर सम्भावनाये है । तजन देशो मे साल मे तनि या चार महीने सूरज निकलता है वे देश जाहे कितने ही विकासशील क्यो न हो, पर सूर्य ऊर्जा, व सूर्य ऊर्जा का लाभ नही उठा सकते है उसमे विनियोग करना महँगा ही पडेगा । हमारे देश मे जहाँ इसकी ऊर्जा प्रचुर मात्रा है इसे इपयोग मे काने के बाद में इसकी यांत्रिकी भी सस्ती सदने लगेगी । अब देखना यह है कि इसका उपयोग हम लोग कैसे करेगें ।
भारत मे पानी की कमी है और साथ ही हमारी समुदी तटवन्ध इसना लम्बा है कि शयद ही किसी देश के पास हो। सवाल उठेगा कि इसमे और सूर्य की अधिकता में क्या समीकरण है? यह एक ऐसी संभावना है जिससे हमारा देश बहुत लाभ उठा सकता है पर न जाने क्यो किसी का ध्यान इस तरफ नही गया । सूर्य क्या करता ? समुद्र के पानी की भाप बनाकर बदलों के रूप में वर्षा का निमित्त बनाकर हमे मीठा पानी देता है । पर यह प्राक्रिया सिर्फ चार महीने बरसात के मौसम में चलती है बाकी समय हमे लगता है कि सूर्य हमे व्यर्थ तपा सुखाकर त्रस्त करता रहा है । पर ऐसा नहीं है, हमे यह ध्यान दिलाना चाहता है कि हम इस ताप को सम्पति मे बदल सकते है । इस ऊर्जा को का सदुपयोग कर सकते हैं । सूर्य की गर्मी से बिजली बनाना अब कोई नवीन बात नही । इससे पम्प चलाकर पृथवी के गर्भ से पानी को सतह पर सकते है । नई बात यह हम अब आपको बताते है कि सूर्य ऊर्जा से बिजली बना कर उससे समुद्र के खारे पानी को मीठा बना सकते है । एसा संयत्र बनाकर जो जटिल न हो, कम लागत का हो तो, तो आम अदमी खारे पानी को पीने योग्य बनाकर, रोजी भी कमा सकते है, तटवर्ती बेरोजगार नययुवक व नवयुवतिया, इस पानी को बेचकर। जो नवयुवक या नवयुवतियाँ खुद का काम करना चाहे वह ऐसे यंत्र खरीदे लोन लेकर और जहाँ पानी की कमी हो पानी को उपलब्ध करायें । हमारे बहुत से वैज्ञानिक संस्थान इसको करने मे समर्थ है । मद्रास का भारतीय प्रदोयोयिकी संस्थान ने इस दिशा मे बहुत ही विकल्प बनाये है कम्पूटर व अन्य क्षेत्रो मे जो जाँव के उत्थान मे बहुत सहायता करेगें । इसी तरह अनय संस्थान भी मौलिकता से समस्याओ का सरल हल निकाले जो हमारे देश की उन्नति मे बहुत अधिक सहायक सिध्द हो कर हमारे देश को आगे ले जा सकते है । होमी जहाँगीर संस्थान मुंबई ने खारे पानी को सूर्य ऊर्जा की सहायता से, पीने योग्य बनाने की दिशा मे बहुत अच्छा काम किया है पर उसकी क्या उपयोगिता जनसधारण के लिये कितनी है हम नही जानते है। उसकी कीमत क्या होगी? कितनी वडी है हमे नही पता है ।

सूर्य ऊर्जा से और क्या क्या धन्धे गाँव मे चल सकते र्ह या चल रहे है वह निम्नलिखित है :-

1. पापड्, वडिया, आचार, सब्जी, फल सुखाने, व पैकिंग करने का धन्धा काफी किफायत व आमदनी का होता है । यह उत्पादन पहले बडे पैमाने पर गाँव मे सूर्य ऊर्जा की सहायत करना होगा ताकि शहर गाँवो पर निर्भर करे इनके लिये ।
2. सौर ऊर्जा से बिजली, गाँवो मे सडक पर विजली भी लग सकती है पर इसके लिये गअँव बालो को संगठित हो कर कार्य करना होगा ।

3. सौर ऊर्जा से खाना पकाया जा रहा हमने खाया है गाँवो मे, पर जरूरत है हर गाँव मे ऐसा हो जाय तो, इससे ईधंन की बचत होगी ब पेडो की कटाई बहुत हद तक कम या बन्द हो सकती है, और गोबर जो अब तक उपले बनाने मे काम आता है जो ईभंन का एक विकल्प है, खाद के काम मे लाया जा सकता है ।
4. रेफ्रिजरेटर सूर्य की ऊर्जा से चल सकते है क्मित अभी है पाचास हजार रूपये मात्र ।
5. छोटे छोटे धन्धे भी गाँव मे सूर्य ऊर्जा से प्राप्त विजली सेचल सकते है । इनके लिये गाँव मे ही कम्पनिया खोली जाय विजली उत्पादन के लिये जो समूर्ण व्यवस्था को हाथ मे ले उत्पादन, वितरण, आय, व्यय सभी कामो को सौर्य ऊर्जा की गाँव के अन्दर ।
6. पानी निकालने के पम्प भी सूर्य ऊर्जा से चलाए जा सकते है ।
7. सूर्य ऊर्जा लालटेन भी उपलब्ध है और कुछ गाँवो मे इसका प्रयोग भी हो रहा है ।
8. सूर्य से प्राप्त ऊर्जा से पानी भी साफ किया जाता है, अल्ट्रा वायोलेट किरणो से गन्दे पानी को साफ पानी पीने या खेती के योग्य बनाया जा सकता है।
9. सूर्य ऊर्जा से हवा दाब -एयर प्रेशर बनाकर सफाई का काम किया जा सकता है, दबी हवा से सफाई करने से कीचड भी नही बनेगी, पानी की बचत भी होगी व स्वास्थ लाभ भी होगा ।
10. सूर्य ऊर्जा से फसलो को बीमारियो से बचाने का कार्य भी किया जा सकता है ।
11. तरह तरह के रंगो ी बोतलो मे पानी भर कर धूप मे रखने से , इस तरह के पानी से प्राकृतिक उपचार संम्भव है । यह रंगीन पानी बहुत सी बीमारियो को ठीक करने मे मदद कर सकता है । हमने इस तरह के जल को सुबह सुबह घूमने बालो को इस्तेमाल करते हुये अहमदाबाद मे देखा है ।
12. सूर्य ऊर्जा से पहाड के घरो को गर्म किया जा सकता है ठन्ड के मौसम मे । घरो के लिये नहाने का गर्म पानी के सँयन्त्र चलाये जा सकते है । हमने माउन्ट आबू मे होटलो मे ऐसे सन्यंत्र देखै है ।
13. एक महात्मा जी मध्य भारत मे है जो पिछले बहुत सालो से सूर्य ऊर्जा के सहारे जिन्दा है यह भारत मे टेलीविजन पर भी दिखाया गया था।
14. कर्नाटिक व केरल के कई गांव ऐसे है जो पूर्णयता सौर्य ऊर्जा पर निर्भर है अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिये, इसमे कोडहल्ली गांव जो बंगलौर से सौ किलोमीटर दूर है । बहाँ पर खाना,गर्म पानी,व बिजली की समस्त चीजे सौर्य ऊर्जा से चलती है ।
15. मेरा एक और सपना जो मैने पहले भी कहा था पूरा हो गया है कि सौर्य ऊर्जा से समुद्र के पानी को पीने के लिये या फसलो के लिये बदलने का एक संयत्र भारतीय इंजीनियर ने बनाया है चिन्नाई के पास एक एकड मे यह पलांट लगेगा । एक एकड के इस प्लांट से 22 करोड लिटर पानी प्रतिदिन प्राप्त होगा जो 25 लाख लोगो के लिये प्रयाप्त होगा । अधिक जानकारी के लिये देखे www.solarwaterenergy.com or सम्पर्क कर श्री पैरी मेहता को (313) 345-5900 USA । यह पैटेन्ट है जो भारत के लिये बहूत उपयोगी सिध्द होगा ।
16. सूर्य ऊर्जा से बिजली बनाकर साईकिल ब रिक्शा भी चलाा जा सकते है समने इसको भारत मे करीब सात प्रदेशो मे चालिस जगौ पर दिखाया होगा । जो एक गांव से दूसरे गांव को जा सकती है पैट्रोल नही खरीदना पडेगा बीस साल , सिर्फ एक बार जयादा पैसे लगा कर सूर्य ऊर्जा पैनल खरीदना पडेगा ।

जब हम इस सूर्य ऊर्जा को दोहन करने मे माहिर हो हो जायेगे व समाज को इसका लाभ होगा तभी हम सही मायने मे सूर्य उपासक कहलाने के योग्य होगें। अभी हम उसके विशय मे जानते ही क्या है या कि हमे यह बहुत त्रास देता है समय की आवश्यकता है कि हम इस विश्य मे जागरूक हो और अधिक जानकारी प्राप्त करे । यह विश्वास रक्खे कि हमे भगवान ने बहुत दिया है सम्पन्न बनाने के लिये उसका आदर करे । उसका दुरूपयोग न करके सबके लाभ के लिये उसका परिष्कार करे अपने ज्ञान को बढाये व दूसरो को जानकारी दे । आपको यह भी सुनने को मिलेगा कि बहुत महंगा पडता है और अभी सफल नही हो रहें है तो भई हम सबको मिलकर ही इनकी कीमत कम करनी होगी और कठनाईयो को दूर करना पडेगा पर इन सम्भावनाओ का निरादर न करे । दिल के साथ दिमाग का दरवाजा खुला रक्खें । कठनाईयां है पर इसका मतलब यह नही किजो लाभ हमे मिल सकता है उससे बंचित रहे । पर यहाँ पर एक बात आपको बताऊगा जो आपका हौसला बढायेगी, हमे भारत मे अमेरिका से तीन गुना अधिक सूर्य ऊर्जा मिलती है और हम केवल 0.03 % सूर्य ऊर्जा का इस्तेमाल करते है और अमरीका 3% अभी तक और हमारे पास जितनी धरती है अमरीका के पास उससे तीन गुना है ।

अपने पूर्वग्रिहो को दूर करें और इस सूर्य देव को अपने जीव मे शामिल करे । इसके बारे मे जाने , ये आपको लाभ देने के लिये अतुर है । इससे अपने जीवन को सुखी व अपने समाज को सम्मपन्न बनायें । अब समय आ गया है कि इस दिशा मे मिलकर विश्वास के साथ काम करे ।

रश्मि उमेश रोहतगी

Umesh Rashmi Rohatgi 24161 Nilan Drive Novi MI 48375 USA Phone ☹248) 471-5786
Webpage : www.rurohatgi.com Email : rurohatgi@yahoo.com